BA Part III (H)

Paper V

Dr. Chiranjeev Kr. Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture X

नातेदारी शब्दावली ⇒ नातेदारी व्यवस्था में नातेदारी शब्दावली की व्याख्या महत्वपूर्ण है।

मजूमदार एवं मदन (An Introduction to Social Anthropology) के अनुसार ," संगोत्र सूचक शब्द ऐसी संज्ञाएं होती हैं जिनका प्रयोग विभिन्न प्रकार के सम्बन्धों के उल्लेख के लिए किया जाता है।" मार्गन पहला विद्वान है जिन्होंने नातेदारी शब्दावलियों का अध्ययन किया। एल. एच. मार्गन ने नातेदारी शब्दावली में दो श्रेणी में बांटा है - वर्गीकृत नातेदारी संज्ञाएं तथा विशिष्ट या वर्णनात्मक नातेदारी संज्ञाएं

1. वर्गीकृत नातेदारी संज्ञाएं ⇒ जब अपने अनेक सम्बन्धियों को एक ही संज्ञा या सम्बोधन द्वारा सम्बोधित किया जाता है, उसे वर्गीकृत नातेदारी संज्ञाएं कहा जाता है। उदाहरण के लिए सेमा

2020-7-21 16:34

नागाओं में ऊँवां शब्द का प्रयोग माँ, चाची एवं मौसी के लिए होता है। अपु शब्द का प्रयोग पिता, चाचा एवं मौसा आदि के लिए होता है। कुकी जनजाति में टेपू शब्द के द्वारा दादा, नाना, श्वसुर, मौसेरे भाई, साले और भतीजे चाचे तीन पीढ़ियों के नातेदारों को सम्बोधित किया जाता है। अगंमी नागाओं में 'बुरी' शब्द के द्वारा बड़े भाई, पत्नी की बहन एवं चाची आदि विभिन्न लिंग के नातेदारों को सम्बोधित किया जाता है।

2. विशिष्ट या वर्णनात्मक नातेदारी संज्ञाएं =)

विशिष्ट या वर्णनात्मक या व्यक्तिवाचक शब्द यथार्थ सम्बन्ध होते हैं और केवल उन्हीं व्यक्तियों के लिए प्रयुक्त होते हैं जिनके सन्दर्भ में या जिनको सम्बोधित करते हुए बात की जाती है। उदाहरण के लिए जब हम कहते हैं पिताजी तब हमारा तात्पर्य एक विशिष्ट सम्बन्धी से होता है जो समाज में पिता के सम्बन्ध से जाना जाता है। पुत्र, पत्नी, मां आदि अनेक ऐसे ही विशिष्ट शब्द हैं।

2020-7-21 16:34